

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. क. निम्न पत्रिका के लिए चर दशम ज्ञात करें।
जन्म 20 अगस्त 1944, 8:11 प्रातः, मुम्बई
लग्न - सिंह 28:45 सूर्य - सिंह 3:52 चन्द्र - सिंह 17:39
मंगल - कन्या 1:14 बुध - सिंह 28:35 गुरु - सिंह 12:13
शुक्र - सिंह 18:43 शनि - मिथुन 14:12 राहु - कर्क 4:22
ख. उपरोक्त पत्रिका में उपस्थित जैमिनी राज योगों पर चर्चा करें।
2. सत्य या असत्य बताएं।
 - i) जैमिनी में कारक स्थिर है पर पराशरी में वे बदलते रहते हैं।
 - ii) जिस ग्रह के अधिकतम भोगांश (राशि मिलाकर) होते हैं वह अमात्य कारक कहलाता है।
 - iii) जैमिनी में राशि को भाव के समान माना जाता है।
 - iv) आत्मकारक से अष्टमेष व द्वितीयेश में बली महेश्वर कहलाता है।
 - v) आत्मकारक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आत्मकारक का बलाबल सम्पूर्ण कुण्डली का बलाबल दर्शाता है।
 - vi) ब्रह्मा जिस राशि में होता है, स्थिर दशा वहां से आरम्भ होती है।
 - vii) तृतीय भाव में अशुभ ग्रह के कारण अर्गल का कोई परिहार नहीं होता है।
 - viii) दो ग्रहों में जिसका भोगांश अधिक होता है वह बली होता है।
 - ix) शुभ अर्गल की राशियों की दशा में शुभ परिणाम मिलते हैं।
 - x) जैमिनी दशाएँ राशियों के अधिपति व उनकी नक्षत्र स्थिति पर आधारित होती हैं।
3. क. कारकांश से आप किसी जातक का व्यवसाय कैसे बताएंगे?
ख. निम्न पत्रिका का विवेचन कर बताएं कि जातक धनी है अथवा नहीं?
जन्म 11 अक्टूबर 1942, 16:04 बजे, इलाहाबाद (उ.प्र.)
लग्न : कुंभ 22:48 सूर्य : कन्या 24:25 चन्द्र : तुला 10:56
मंगल : कन्या 22:39 बुध : कन्या 23:36 गुरु : कर्क 0:33
शुक्र : कन्या 15:15 शनि (व) वृष 19:13
राहु : सिंह 10:33
4. सक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
क. अमात्यकारक ख. उपपद ग. ब्रह्मा
5. क. जैमिनी नियमों के द्वारा आयु निर्धारण कैसे करते हैं?
ख. प्र. 1 के लिए निम्न ज्ञात करें :-

i) उपपद

ii) अमात्यकारक, ज्ञातिकारक, भातृ कारक, मातृ कारक

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. क. पत्रिका में मेलापक में कुट मिलान के अतिरिक्त किन तथ्यों को ध्यान दिया जाता है?

ख. निम्न पत्रिका का मेलापक करें :

जन्म तिथि	2.7.1955	18.8.1962
जन्म समय	00.57	1.15
जन्म स्थान	दिल्ली	दिल्ली
लग्न	मेष 2:03	मिथुन 00:01
सूर्य	मिथुन 15:56	सिंह 01:04
चन्द्र	वृश्चिक 8:39	कुंभ 28:46
मंगल	कर्क 0:37	मिथुन 3:38
बुध	वृष 27:30	सिंह 18:50
गुरु	कर्क 10:35	कुंभ (व) 16:11
शुक्र	वृष 29:12	कन्या 16:25
शनि	तुला (व) 21:31	मकर 13:28
राहु	धनु 3:16	कर्क 15:33

7. निम्न पत्रिका जिस जातिका की है उसका विवाह 19.2.1987 को हुआ।
जन्म 13.6.1967, 8.30 घंटे, नई दिल्ली, दशा शेष : बुध 2व.9मा.19दि.
लग्न कर्क 8:36, सूर्य वृष 28:02, चन्द्र कर्क 27:48, मंगल कन्या 23:29
बुध मिथुन 22:14, गुरु कर्क 10:14, शुक्र कर्क 13:11, शनि मीन 17:36
राहु मेष 12:51, केतु तुला 12:51

क. जल्द विवाह के ज्योतिषीय कारण बताएं।

ख. विवाह के समय शुक्र/राहुचन्द्र की विशोत्तरी दशा व मिथुन/धनु की चर दशा चल रही थी। विवाह समय की उपरोक्त आधार पर पुष्टि करें।

8. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

क. समान जन्म राशि

ख. नक्षत्र

ग. रज्जु कूट

घ. समान जन्म नक्षत्र

9. मंगल दोष क्या है? मंगल दोष किस के सापेक्ष में समझा जाता है? क्या प्र. 10 की पत्रिका में मंगल दोष है? किन स्थितियों में मंगल दोष का परिहार हो जाता है? कौन सा मंगल दोष अधिक प्रभावी होता है?

10. क. जीवन साथी को खोने के ज्योतिषीय योग लिखें।

ख. निम्न जातक के वैवाहिक जीवन पर विस्तार से लिखें।

जन्म : 29.09.1970, 3:20 बजे, मैंगलोर

शेष दशा : शुक्र 5व 1मा. 11दि.

लग्न : कर्क 27:10, सूर्य : कन्या 11:54, चन्द्र : सिंह : 23:15

मंगल : सिंह 22:53, बुध : सिंह 24:04, गुरु : तुला 14:13

शुक्र : तुला 23:59, शनि (व) : मेष 28:43, राहु : कुंभ 09:09

केतु : सिंह 09:09